

उत्तराखण्ड 10/9/2026

पैनल चर्चा में बोले विशेषज्ञ, डिजिटल दौर में ब्रांड की पहचान के लिए प्रभावी संवाद जरूरी

एसडी कॉलेज में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से किया संवाद

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा



चंडीगढ़। डिजिटल युग में किसी भी संस्थान या ब्रांड की सफलता केवल उसके उत्पाद और सेवाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लोगों के साथ उसके संवाद और उसकी सार्वजनिक छवि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सही संदेश को सही समय पर लोगों तक पहुंचाना और प्रतिष्ठा को बनाए रखना आज जनसंपर्क की बड़ी चुनौती है। यह बात बुधवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त स्नातन धर्म कॉलेज में आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कही।

कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम-यूषा योजना (रूसा) के तहत 'डिजिटल युग में कॉर्पोरेट

कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, जनसंपर्क और डिजिटल ब्रांडिंग के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। चर्चा में अडानी समूह के कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख डॉ. रुपेश सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी की पूर्व जनसंपर्क निदेशक रेणुका सलवान तथा मंत्रिण के संस्थापक एवं सीईओ ललित के. शर्मा ने हिस्सा लिया।

विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने संचार को तेज और व्यापक बनाया है। ऐसे में किसी भी संस्था के लिए रणनीतिक संवाद, प्रतिष्ठा प्रबंधन और प्रभावी ब्रांड निर्माण पहले से अधिक जरूरी हो गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा

कि संचार के क्षेत्र में सफल होने के लिए उन्हें केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता, संवाद कौशल और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। डॉ. रुपेश सिंह ने कहा कि डिजिटल माध्यमों के दौर में जनसंपर्क की भूमिका लगातार बदल रही है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण डिजिटल परिदृश्य में पीआर का काम नैरेटिव को नियंत्रित करना है। विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए ललित के. शर्मा ने कहा कि ब्रांड की पहचान और प्रतिष्ठा बनाए रखने में संदेश को सही तरीके से तैयार करना और उसे तेजी से लोगों तक पहुंचाना बेहद महत्वपूर्ण है।

चंडीगढ़ सवेरा 10/9/26

पैनल चर्चा में बोले विशेषज्ञ, डिजिटल दौर में ब्रांड की पहचान के लिए प्रभावी संवाद जरूरी

एसडी कॉलेज में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से किया संवाद

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 9 सितंबर : डिजिटल युग में किसी भी संस्थान या ब्रांड की सफलता केवल उसके उत्पाद और सेवाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लोगों के साथ उसके संवाद और उसकी सार्वजनिक छवि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सही संदेश को सही समय पर लोगों तक पहुंचाना और प्रतिष्ठा को बनाए रखना आज जनसंपर्क की बड़ी चुनौती है। यह बात बुधवार को सेक्टर-32 के जीजीडीएसडी कॉलेज में आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कही। कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएमःयूषा योजना रूसा के तहत 'डिजिटल युग में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें कॉर्पोरेट



चर्चा में हिस्सा लेते छात्र, व विशेषज्ञ।

कम्युनिकेशन, जनसंपर्क और डिजिटल ब्रांडिंग के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। चर्चा में अडानी समूह के कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख डॉ. रुपेश सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी की पूर्व जनसंपर्क निदेशक रेणुका सलवान तथा मंत्रिण के संस्थापक एवं सीईओ ललित के. शर्मा ने हिस्सा लिया। डॉ. रुपेश सिंह ने कहा कि डिजिटल माध्यमों के दौर में जनसंपर्क की भूमिका लगातार बदल रही है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण डिजिटल परिदृश्य में पीआर का काम नैरेटिव को नियंत्रित करना है। विद्यार्थियों के सवालों का

जवाब देते हुए ललित के. शर्मा ने कहा कि ब्रांड की पहचान और प्रतिष्ठा बनाए रखने में संदेश को सही तरीके से तैयार करना और उसे तेजी से लोगों तक पहुंचाना बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान वाईसीसी क्लब की स्थापना एवं पदाधिकारियों का समारोह भी आयोजित किया गया। इस दौरान सबरीना को अध्यक्ष, दीया अग्रवाल को उपाध्यक्ष और मंशा धाम को महासचिव चुना गया। रेणुका सलवान ने विद्यार्थियों को पीआरसीआई की संरचना और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से सक्रिय और प्रभावी

संचारक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभाग की वार्षिक इन-हाउस पत्रिकाओं 'एक्सप्रेस' और 'मीडियाटेनमेंट' तथा क्लब के प्रकाशन 'क्रॉनिकल्स ऑफ एक्सीलेंस' का विमोचन भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि अनुभवी पेशेवरों के साथ संवाद विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान और वास्तविक कार्यक्षेत्र के बीच की दूरी को कम करने में मदद करता है। ऐसे कार्यक्रम उन्हें संचार उद्योग की बदलती जरूरतों और चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दैनिक जागरण 10/9/2026

डिजिटल युग में संवाद और प्रतिष्ठा प्रबंधन से बनती है ब्रांड पहचान

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : एसडी कॉलेज में कारपोरेट कम्यूनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल युग में किसी भी संस्थान या ब्रांड की सफलता केवल उत्पादों और सेवाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लोगों के साथ संवाद और सार्वजनिक छवि भी महत्वपूर्ण हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सही संदेश को सही समय पर लोगों तक पहुंचाना और प्रतिष्ठा बनाए रखना जनसंपर्क की बड़ी चुनौती है।

यह पैनल चर्चा कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा पीएम-यूवा योजना (रूसा) के तहत आयोजित की गई। इसमें कारपोरेट कम्यूनिकेशन, जनसंपर्क और डिजिटल ब्रांडिंग के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए।

चर्चा में अदानी समूह के कारपोरेट अफेयर्स प्रमुख डा. रुपेश सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी की पूर्व जनसंपर्क निदेशक



एसडी कॉलेज में कारपोरेट कम्यूनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग पर आयोजित पैनल चर्चा में पहुंचे मुख्य वक्ता और विद्यार्थी • स्क्र:

रेणुका सलवान और सीईओ ललित के. शर्मा ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि डिजिटल माध्यमों ने संचार

को तेज और व्यापक बनाया है। ऐसे में किसी भी संस्था के लिए रणनीतिक संवाद, प्रतिष्ठा प्रबंधन और प्रभावी

ब्रांड निर्माण पहले से अधिक आवश्यक हो गया है। संचार क्षेत्र में सफल होने के लिए केवल किताबी

ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित करना चाहिए।

विशेषज्ञों ने बदलते डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप नई तकनीकों से लगातार अपडेट रहने की सलाह दी।

दैनिक ट्रिब्यून 10/9/2026

डिजिटल दौर में प्रभावी संवाद से बनेगी ब्रांड की पहचान

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 9 सितंबर (हप्र)

डिजिटल दौर में ब्रांड की पहचान मजबूत करने के लिए प्रभावी संवाद, सार्वजनिक छवि और सही समय पर सही संदेश जरूरी है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच प्रतिष्ठा प्रबंधन भी बड़ी चुनौती है। यह बात बुधवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कही।

कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने पीएम-यूषा योजना के तहत 'डिजिटल युग में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग' विषय पर चर्चा कराई। पैनल में अडानी समूह के कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख डॉ. रुपेश सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी की



चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित पैनल चर्चा के दौरान मौजूद विशेषज्ञ। -हप्र

पूर्व जनसंपर्क निदेशक रेणुका सलवान और मंत्रिन के संस्थापक एवं सीईओ ललित के. शर्मा शामिल हुए। विशेषज्ञों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी पीआर और त्वरित संचार को जरूरी बताया। कार्यक्रम में पीआरसीआई के सहयोग से

वाईसीसी क्लब की स्थापना हुई। सबरीना अध्यक्ष, दिया अग्रवाल उपाध्यक्ष और मंशा धाम महासचिव चुनी गईं। 'एक्सप्रेसंस', 'मीडियाटेनमेंट' और 'क्रॉनिकल्स ऑफ एक्सीलेंस' का विमोचन भी हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने आभार जताया।

1604 हिमाचल 10/9/26

एसडी कालेज में ब्रांड बिल्डिंग पर चर्चा



चंडीगढ़। मुख्यातिथि डाक्टर रुपेश सिंह के साथ एसडी कालेज का स्टाफ

चंडीगढ़। डिजिटल युग में किसी भी संस्थान या ब्रांड की सफलता केवल उसके उत्पाद और सेवाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लोगों के साथ उसके संवाद और उसकी सार्वजनिक छवि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सही संदेश को सही समय पर लोगों तक पहुंचाना और प्रतिष्ठा को बनाए रखना आज जनसंपर्क की बड़ी चुनौती है। यह बात बुधवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कही। कालेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम यूषा योजना रूसा के तहत डिजिटल युग में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और ब्रांड बिल्डिंग विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, जनसंपर्क और डिजिटल ब्रांडिंग के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। चर्चा में अडानी समूह के कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख डा. रुपेश सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी की पूर्व जनसंपर्क निदेशक रेणुका सलवान तथा मंत्रिन के संस्थापक एवं सीईओ ललित के शर्मा ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने संचार को तेज और व्यापक बनाया है। ऐसे में किसी भी संस्था के लिए रणनीतिक संवाद प्रतिष्ठा प्रबंधन और प्रभावी ब्रांड निर्माण पहले से अधिक जरूरी हो गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि संचार के क्षेत्र में सफल होने के लिए उन्हें केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। चंडीगढ़ पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हैकाथॉन का किया आयोजन